

PROMISSORY NOTE : \*प्रतिश्रवपत्रम्.  
 PROMONTORY : (1) भूनासिका, Williams ; (2) दिङ्, -कः (?).  
 PROMOTE : I. To exalt, elevate : (1) वर्धयति ( c. of वृष् ) ; (2) उन्नतिं नयति ( नी, c. 1. ), Mr. x. 51. II. To further, aid : q.v. III. To excite : प्रवर्तयति ( c. of वृत् ).  
 PROMOTER : (1) प्रवर्तयितृ ( f. त्री=setter on ) ; (2) प्रोत्साहयितृ ( f. त्री=encourager ).  
 PROMOTION : I. The act : (1) वर्धनम् ; (2) उन्नतिः (=exaltation). II. Honour, advancement : perh. उन्नतिः, पदवृद्धिः.  
 PROMPT (adj.) : I. Of men : (1) सत्वर ( f. रा=quick, ready ) ; (2) with adv. क्षिप्रम् (=quickly), अविलम्बेन (=without delay), etc. II. Of acts expr. by adv.  
 PROMPT (v.) : I. To incite : (1) उत्साहयति, प्र-, ( c. of सद् ) ; (2) प्र-णो(चो)दयति ( नुद् or चुद्, c. 10. ) ; (3) प्रवर्तयति ( c. of वृत् ). II. To assist by suggesting : perh. : अवबोधयति ( c. of बुध् ).  
 PROMPTER : (1) प्रोत्साहक ( f. हिका ) ; (2) अवबोधक ( f. धिका ) : v. To prompt.  
 PROMPTITUDE, PROMPTNESS : (1) त्वरा, Ku. iii. 63. ; (2) औत्सुक्यम् (=zeal), M. n. ; (3) अविलम्बः (=want of delay) ; (4) क्षिप्रता (=quickness).  
 PROMPTLY : (1) सत्वरम् ; (2) त्वरितम् ; (3) अविलम्बेन ; (4) क्षिप्रम्.  
 PROMULGATE : घोषयति, उत्-, ( वृष्, c. 10. ) : v. To proclaim.  
 PROMULGATION : उद्घोषणम् : v. Proclamation.  
 PROMULGATOR : उद्घोषक ( f. धिका ) : v. Proclaimer.  
 PRONE : I. Inclined, disposed : प्रवण ( f. णा ). II. Bent, not erect : (1) नत ( f. ता ) ; (2) प्रणत ( f. ता ) ; (3) नम्र ( f. घ्रा ). III. With the face downward : (1) अधोमुख ( f. खी ) ; (2) अवाङ्मुख ( f. खी ) : and sim comp.s.  
 PRONENESS : (1) प्रवणता ; (2) नम्रता : for dif. : v. Above.  
 PRONG : (1) शूल ( mn. ? ) ; (2) शिखा (?).  
 PRONOMINAL : expr. by comp. : v. Pronoun.

PRONOUN : सर्वनामन् ( n. ) ; *personal, possessive, relative, interrogative p.* : पुरुषवाचकं, स्वत्वद्योतकं सम्बन्धज्ञापकं, प्रश्नार्थकं सर्वनाम (?).  
 PRONOUNCE : I. To speak distinctly : उच्चारयति ( c. of चर् ), *how clearly he p.s letters* : अस्य स्पष्टता वर्णोच्चारणे, K. II. To utter, deliver : (1) उदीरयति ( ईर्, c. 10. ) ; (2) perh. उच्चारयति, *p. ing these words* : उच्चार्य वाचमिति, Ki. xi. 81. III. To declare, affirm : q.v. : ब्रवीति or ब्रूते ( ब्रू, c. 2. ).  
 PRONUNCIATION : उच्चारः, -णम्, *p. of words* : शब्दोच्चारणम्, Say. ; *knowing p.* : उच्चारणज्ञः, Si. iv. 18. *Science of Vedic p.* : शिक्षा, Say.  
 PROOF (subs.) : I. In gen. : प्रमाणम्, *a thing is proved by marks and p.s* : लक्षणप्रमाणाभ्यां वस्तु-सिद्धिः, Say. ; *it cannot enter the precincts of p.* : तदपि न प्रमाणकोटिं प्रवेष्टुमिष्टे, D.s. II. Trial, test : q.v. : परीक्षा. III. P. sheet : \*परीक्षापत्रम्.  
 PROOF (adj.) : *water-p.* : जलामेघ ( f. घा ) ; *p. against argument* : युक्तिभिरहार्य ( f. र्यी ) ; *(their) minds are p. against temptation* : चलति नयान्न हि चेतः, Ki. x. 29.  
 PROP (subs.) : (1) आश्रयः (lit. and fig.) ; (2) शरणम् (fig.) ; (3) उपपन्नम् (rare), R. xiv. 1. ; (4) आलम्बः, -नम् (lit.).  
 PROP (v.) : सं- धारयति ( धृ, c. 10. ) : v. To support, sustain.  
 PROPAGATE (v.t.) : I. To reproduce : (1) संजनयति ( जन्, c. 10. ) ; (2) संवर्धयति ( c. of वृध्=to increase ). II. To spread : q.v. : विस्तारयति ( स्तृ, c. 10. ).  
 PROPAGATE (v.i.) : शावकान् सूते, प्र-, ( सू, c. 2. ) or जनयति, प्र-, ( जन्, c. 10. ).  
 PROPAGATION : I. Lit. : संजननम्. II. Extension, dissemination : प्रचारः.  
 PROPEL : प्र-णुदति ( नुद्, c. 6. ).  
 PROPELLER : प्रचोदकयन्त्रम्.  
 PROPENSE : प्रवण ( f. णा ) : v. Prone, inclined.  
 PROPENSITY : (1) प्रवणता (=inclination) ; (2) शीलम् (=disposition) ; (3) व्यसनम् (=passion).  
 PROPER : I. Right, becoming : (1) युक्तः ( क्ता, क्त ), उप- ; *was it p. for you.....* युक्तं नाम भवताम्.....Ve. iii. ; (2) उचित ( f. ता ), सम्-